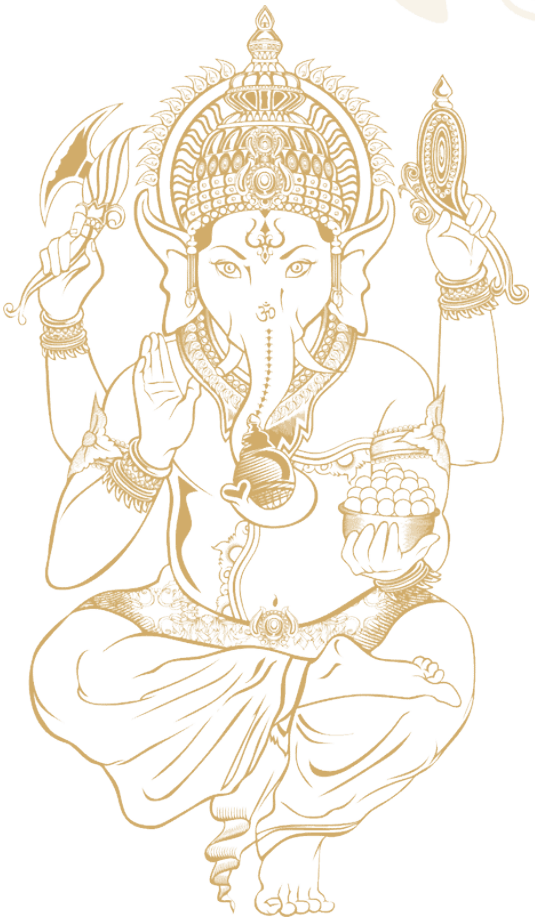

Kamlesh

Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121900802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/03/1996	जन्म तिथि	11-12/05/2001
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	01:32:00 घंटे
घटी 56:47:06	जन्म समय(घटी)	49:57:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:09	सूर्योदय	05:33:08
18:36:15	सूर्यास्त	19:02:18
23:48:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:16

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 11वर्ष 5मा 28दि		15:34:22	कुंभ	लग्न	कुंभ	04:42:47	शुक्र 13वर्ष 2मा 1दि	
शनि		13:46:20	मीन	सूर्य	मेष	27:18:16	चन्द्र	
25/09/2007		23:45:15	मिथु	चंद्र	धनु	17:53:13	12/07/2020	
25/09/2026		08:47:54	मीन	मंगल व	धनु	05:10:41	13/07/2030	
शनि	28/09/2010	13:25:27	मीन	बुध	वृष	16:07:25	चन्द्र	13/05/2021
बुध	07/06/2013	21:42:39	धनु	गुरु	वृष	21:58:17	मंगल	12/12/2021
केतु	17/07/2014	29:36:47	मेष	शुक्र	मीन	15:15:47	राहु	13/06/2023
शुक्र	16/09/2017	04:55:42	मीन	शनि	वृष	08:43:24	गुरु	12/10/2024
सूर्य	29/08/2018	23:23:53	कन्या व	राहु	मिथु	13:17:25	शनि	13/05/2026
चन्द्र	29/03/2020	23:23:53	मीन व	केतु	धनु	13:17:25	बुध	12/10/2027
मंगल	08/05/2021	10:03:48	मक	हर्ष	कुंभ	00:50:12	केतु	12/05/2028
राहु	14/03/2024	03:39:32	मक	नेप व	मक	14:54:21	शुक्र	11/01/2030
गुरु	25/09/2026	09:10:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:39:57	सूर्य	13/07/2030

लग्न-चलित

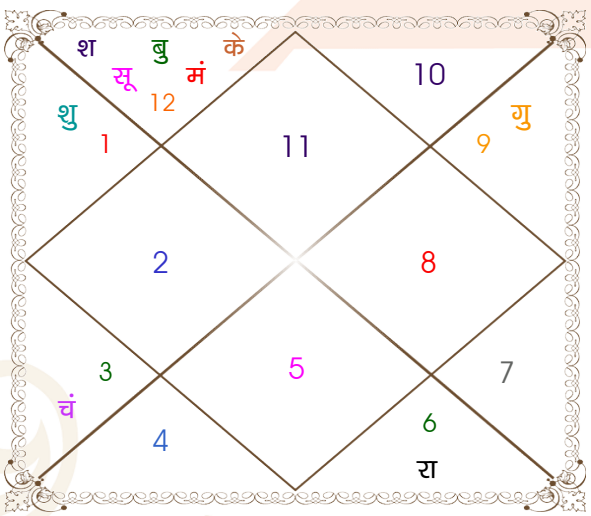

लग्न-चलित

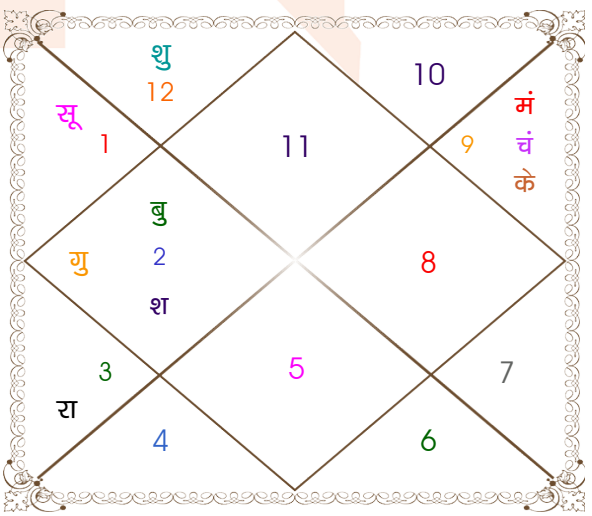

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

झंउसमी का वर्ग मार्जार है तथा वींदीतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंउसमी और वींदीतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

झंउसमी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

वींदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

झंउसमी तथा वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।